विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 5, अंक 57 माह - सितंबर, 2023, मूल्य : निःशुल्क

ध्वजारोहण -
115 स्थानों पर एक साथ हुआ ध्वजारोहण, 21 हजार से अधिक लोग शामिल हुए

शिक्षा -
आगामी सत्र की पाठशाला के लिए एक दिवसीय परिचर्चा

अभियान -
उद्यमिता पखवाड़ा अभियान का शुभारंभ

स्वतंत्रता दिवस पर नित्या पटैरिया बनीं झांसी की रानी लक्ष्मीबाई

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

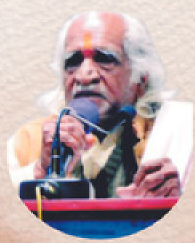

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

अनिल अवस्थी
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

अर्चना रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

देश हमें देता है सब कुछ, हम भी कुछ देना सीखें : कपिल मलैया

विचार समिति ने स्वतंत्रता दिवस पर 115 स्थानों पर एक साथ ध्वजारोहण किया, 21 हजार से अधिक लोग शामिल हुए, सभी स्थानों पर दुर्लभ प्रजाति का कल्पवृक्ष पौधा रोपण किया

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विचार समिति परिसर में अध्यक्ष कपिल मलैया उद्बोधन देते हुए।

विचार समिति ने स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर 115 स्थानों पर एक साथ ध्वजारोहण किया। प्रत्येक स्थान पर लगभग 200 व्यक्ति ध्वजारोहण में शामिल होकर आजादी दिलाने वाले वीर सपूतों को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए देश भावना से जुड़कर हर्षोल्लास के साथ त्योहार की तरह स्वतंत्रता दिवस को मनाया। इस प्रकार ध्वजारोहण में 21 हजार से अधिक नागरिक प्रत्यक्ष रूप से कार्यक्रम में उपस्थित थे। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान, वन्देमातरम, देश भक्ति गीत एवं आतिशबाजी हुई। इसके पश्चात विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने जूम टेक्नालाजी के माध्यम से सभी 115 स्थानों पर उद्बोधन दिया। सभी 115 स्थानों पर मेधावी छात्र-छात्राओं, वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ताओं, एवं भूतपूर्व सैनिक परिवारों का सम्मान किया गया साथ ही ध्वजारोहण स्थल या समीप के स्थल जैसे मंदिर या बगीचा प्रांगण में कल्पवृक्ष का रोपण भी किया गया।

समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे पास जो कुछ भी है वह हमारी मातृभूमि का दिया हुआ है परंतु हम डिजिटल दुनिया में इतने अधिक असंवेदनशील हो गए है कि एक साथ दु:खद और सु:खद घटनाओं को सुन लेते है और हम पर कोई फर्क नहीं पड़ता है, रोड़ पर कहीं एक्सीडेंट हो जाता है तो हम मदद करने की

जग़ह वहां से भागना चाहते है। आज जब समाज सेवा का नाम आता है तो हमें नाम खोजने से नहीं मिलते। हमने अपने जीवन को इतना मशीनी बना लिया है हम सिर्फ यही देखते है कि हमारा तत्काल फायदा किसमें है। देश हमे देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखें। आईये ध्वजारोहण उत्सव के अवसर पर हम अपने मानव कर्तव्यों के प्रति, राष्ट्र के प्रति, सदैव समर्पित रहने का भाव जगायें। हमारे अस्तित्व की सार्थकता एक महान भारत के निर्माण में ही हैं।

समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि हम सभी ने मिलकर वर्ष 2003 में विचार समिति का कार्य शुरू किया था । अत्यंत हर्ष की बात है कि आप सभी ने विचार के साथ राष्ट्र निर्माण के कार्य संपन्न किये है। हमने सागर के अंदर छोटे से छोटे व्यक्ति को जोड़कर पर्यावरण, स्वास्थ्य, सामाजिक परिवर्तन, शिक्षा, स्वरोजगार, संस्कृति संवर्धन के महत्वपूर्ण कार्य किये है।

समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने समिति के कार्यों का वर्णन करते हुए कहा कि विचार समिति ने विश्व की सबसे लम्बी 17 किलोमीटर लंबी तिरंगा मानव श्रृंखला, 1, 11, 111 सीडवाल लगाना, मगलगिरी में 150 किस्म के 11 हजार से ज्यादा पेड़ बड़े कर जंगल बनाना, 50 हजार से ज्यादा लोगों की प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष मदद करना कुछ उदाहरण है। कोरोना काल में विचार वारियर्स ने जान हथेली पर लेकर हजारों लोंगो की मदद की। छह माह तक मेडिकल कॉलेज कोरोना वार्ड के ठीक बाहर विचार कार्यकर्त्ता सहायता केंद्र संचालित किया ।

मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने मंच का संचालन करते हुए कहा कि हमारे इतिहास के 3000 साल में समस्त विश्व से लोग यहां आए, हमारे ऊपर आक्रमण किया।

21 हजार लोगों ने लिया सामूहिक संकल्प

- कभी भी रास्ते पर एम्बुलेंस को जाता देखकर तुरंत उसके लिए रास्ता देंगे एवं रास्ता बनाने के लिए सक्रिय रूप से आगे आकर सहयोग करेंगे।
- हम अपने घर में अपने आसपास जहाँ तक हो सकेगा स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करेंगे। सागर में खुले कटरा बाजार बताशा वाली गली के सामने स्थित स्वदेशी वस्तु भंडार पर पहली फुर्शत में भ्रमण कर जानकारी लेंगे।
- जब भी रक्तदान करने का मौका मिलेगा रक्तदान जरूर करेंगे। लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करेंगे। उन्हें बतायेंगे की रक्तदान से कोई नुकसान नहीं होता है।
- अपने घर के सामने साफ- सफाई रखेंगे। साथ ही आजू- बाजू के दो- दो घरों के लोगों को भी साफ़- सफ़ाई के लिए प्रेरित करेंगे।

हम पर अधिपत्य स्थापित किया और हमें गुलाम बनाया, हमें लूटा लेकिन हमने किसी अन्य राष्ट्र के साथ ऐसा कभी नहीं किया। हमने किसी को जीतकर गुलाम नहीं बनाया। क्योंकि हम दूसरों की स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं, हमें हर हाल में इस स्वतंत्रता की रक्षा करनी चाहिए।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी महेश मलैया।

आभार व्यक्त मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने माना। इस अवसर पर महेश मलैया, शफीक भाईजान, श्रेयांश जैन, महेश बाबा, डॉ. ऋषभ जैन, राजीव कोष्ठी, मोहल्ला विकास के समन्वयक, सहायक उपस्थित थे।

ध्वजारोहण करने वाली कुछ प्रमुख समितियों के नाम – आदिनाथ परिवार, सी.आर.एस. राइडर्स टीम, अपराजित मददगार योद्धा समिति, लायंस क्लब डायमंड, वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई, दिगंबर जैन मंदिर बालक हिलव्यू, अभिनव वाटिका समिति, छत्रसाल अखाड़ा, भारतीय शैली कुश्ती संघ, भाग्योदय योगा परिवार, एस.आर. हेरिटेज समिति, समस्त जैन मिलन परिवार, समस्त महिला परिषद, शांति रत्नम मकरोनिया, अंकुर कालोनी जैन मंदिर, निताई विचार स्कूल ग्राम मनेसिया, एच,एल.टी. सदर, महिला मंडल तुलसीनगर, पाएगा महिला समिति, मलैया मेरिज गार्डन, चंद्रा पार्क सिविल लाइन, घरोंदा आश्रम, आनंद आश्रम, अरिहंत बिहार कालोनी, तपोवन चनाटोरिया, सैनिक ट्रेनिंग स्कूल नरवानी, मातृछाया अनाथालय, कल्पतरू चिकित्सालय, संस्कार केंद्र मोतीनगर, धर्म रक्षा संगठन आदि। इसके अलावा ग्राम सानौधा, मोठी, पाटन, डुंगासरा, हाट पथरिया, पटकुई, रहली, देवरी, गढ़ाकोटा, बंडा, शाहगढ़, केसली, जैसीनगर, राहतगढ़, बांदरी, नई गल्ला मंडी, रानीपुरा, सीहोरा आदि गांव में ध्वजारोहण किया गया।

ध्वजारोहण : 115 स्थानों की झलकियां

विचार समिति परिसर

पूनम मेवाती, तिलकगंज

नीलू केशरवानी, तिलकगंज

केशरानी पटैल, तिलकगंज

अनीता सुरेश जैन, तिलकगंज

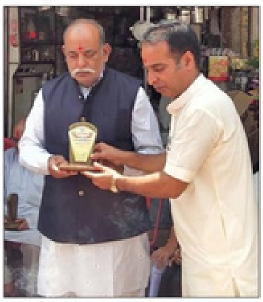

सुरेश पिंजवानी, नया बाजार

सरिता जैन, कटरा बाजार

राजकुमार पड़ेले, चूना डॉट

हिमांशी जैन, कटरा बाजार

मनीष मलैया, पूजा पड़ेले, कटरा

कांति जैन, हनुमान पाएगा, इतवारी

मंजू सतभैया, विजय टाकीज

डॉ रामानुज वंदना गुप्ता, विजय टाकीज

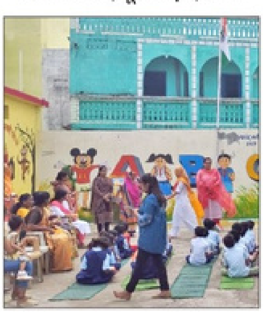

राज गौतम, चंद्रशेखर वार्ड

प्रीति केशरवानी, बड़ी माता

विजय जैन सरकार, नगर निगम

सुनीता पड़वार, बाहुवली कालोनी

प्रभा साहू, भगवानगंज

उर्मिला वर्मा, गुरू गोविंद सिंह वार्ड

ममता अहिरवार, तुलसी नगर वार्ड

सुरेश होलानी, संजय गुरू कृपा

देवेन्द्र सेन, आनंदाश्रम

रजनी सोनम डबडेरा, आईटीआई

नीता राजकुमार बरा, आईटीआई

सविता मिश्रा, संत रविदास वार्ड

दुलीचंद मेमोरियल स्कूल, भाग्योदय

ममता अंकित रैकवार, पगारा रोड

सतेन्द्र जैन वीरू, अभिनव वाटिका

कविता, प्रियंका, सरिता गुरू, भूतेश्वर

हिमांशु सुगम, बाल्मीकि भवन

सुनील सागर, मोतीनगर

दीपा रैकवार, केशवगंज

नरेन्द्र साहू, मोहन नगर वार्ड

अंजना पटैल, राजीव नगर वार्ड

नीतू पटैल, मढ़िया विट्ठलनगर

हरीश कुमार कोरी, आरएसएस कालोनी

पूजा मिश्रा, गुरूगोविंद सिंह वार्ड

एड. रश्मिऋतु जैन, वर्णी कालोनी

कौशल पहलवान, छत्रसाल अखाड़ा

सुधीर गुप्ता, नरयावली नाका वार्ड

विनीता केशरवानी, शास्त्री चौक

महेन्द्र तोमर, द्वास यादव, शहीद चौक

आनंद हेला, मोती बाबा मंदिर, सदर

वींरेन्द्र कलसिया, सदर

डॉ सौरभ भारिल्ल, शांतिरत्नम, मकरोनिया

नितिन पटैरिया, सदर

दीप्ति, उमा पटैल, 27 नं. गेट, सदर

अशोक खरे, बंगला नं. 9, सदर

निशी केशरवानी, सदर

मधु मौर्य, पुरानी सदर

एड. अर्चना तिवारी, चंद्रापार्क

दीपक वर्मा, गोपालगंज

डॉ. त्रिदिब गोस्वामी, डेंटल क्लीनिक

अनिल अवस्थी, श्रीराम नगर

त्रिभुवन पाठक, पोद्दार कालोनी

आलोक जैन, बालक हिलव्यू

नरेश यादव, तिली वार्ड

विनय मलैया, मलैया गार्डन, तिली

संजीव दिवाकर, लक्ष्मीपुरा

मंजू रैकवार, गंगा मंदिर रानीपुरा

प्रीति यादव, घरोंदा आश्रम

मुक्ता जैन, आनंदनगर, रजाखेड़ी

मिहीर गांगुली, रजाखेड़ी

संजय शक्कर, अंकुर कालोनी

जुगल सोनी, तनिष्क शोरूम

डॉ. नीरज जैन, कल्पतरू चिकित्सालय

दीपा-राजेश सिंघई, किड्जी स्कूल

नवीन सोनकर, दीनदयाल नगर

डॉ. लखन पटैल, मातृछाया क्लीनिक

मीनाक्षी मौर्य, मकरोनिया

विनीता केशरवानी, मकरोनिया

विनीता केशरवानी, वृन्दावन गार्डन

राजेश प्रजापति, पीएलपी कान्वेंट स्कूल

मीना पटैल, सेमराबाग

डॉ. अभ्योदय पाडे, मातृछाया अनाथालय

सोनू यादव, ग्राम पगारा

बाबूलाल पटैल, रानीपुरा

सीमा ठाकुर, ग्राम पगारा

भूपेन्द्र घोषी, ठाकुर बाबा मंदिर

मनोरमा गौर, हरीकिशन, संतकबीर वार्ड

मानसू कोष्टी, सूबेदार वार्ड

अनुराग विश्वकर्मा, चकराघाट

खुशबू जैन, अरिहंत बिहार कालोनी

मलैया ट्रेक्टर, गल्लामंडी

मलैया ट्रेक्टर, शाहगढ़

मलैया ट्रेक्टर, बंडा

मलैया ट्रेक्टर, गढ़ाकोटा

मलैया ट्रेक्टर, रहली

मलैया ट्रेक्टर, जैसीनगर

मलैया ट्रेक्टर, राहतगढ़

पवन पटैल, 1 मुहाल, कछयाना

तपोवन, चनाटोरिया

स्वेता शर्मा, जुपीटर स्कूल

उदय राज मौर्य, सैनिक ट्रेनिंग स्कूल

सुरेश मोहनानी, आरएस हेरिटेज

अमित चौधरी, सानौधा

निर्मला राजपूत, ग्राम मोठी

राहुल साहू, ग्राम पाटन

हाकम सिंह लोधी, ग्राम डुंगासरा

आकाश चौधरी, सीहोरा

सिद्धार्थ-विभा जैन, पटकुई

निताई पब्लिक स्कूल, ग्राम मनेसिया

ज्योति सराफ, आदर्श नगर, मकरोनिया

हीरालाल जैन, ऋषभनाथ देवस्थानम

चंद्रयान-3 की सफलता का जश्न, आतिशबाजी कर मनाई खुशियां

चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग पर विचार समिति ने आतिशबाजी कर खुशियां मनाईं। चंद्रयान के चांद के दक्षिणी ध्रुव पर विक्रम लैंडर के सफलता पूर्वक स्थापित होने पर पूरा वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट और भारत माता की जय के उद्घोष से गूंज उठा। भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए गए। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा यह बेहद गौरव का पल है। इस पल का लंबे समय से इंतजार था। इसरो के वैज्ञानिकों की मेहनत से भारत ने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। यह सफलता बताती है कि भारत विश्व में महाशक्ति बनेगा।

अभाविप एवं स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत उद्यमिता पखवाड़ा अभियान का शुभारंभ

21 अगस्त विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर ज्ञानवीर कॉलेज से उद्यमिता पखवाड़ा अभियान का शुभारंभ किया गया। जिसका उदेश्य युवाओं को स्वावलंबी बनाना है। इस अवसर पर छात्रों को स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांतीय टोली सदस्य एवं मुख्य वक्ता कपिल मलैया ने संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सभी स्वावलंबी भारत अभियान के उद्यमिता पखवाड़ा के निमित्त मिले है, हम उद्यमिता पर अपनी बात रखेगे और आपको समझ आये तो ही बात रखने का फायदा है? हम स्वयं के उद्यम के लिए क्या कर सकते है, आपकी क्या समझ है? वर्तमान समय में उद्यमिता की आवश्यकता क्यों है? हमारे पास पहले से स्किल और व्यवसाय रहा है बस हमें उन्हें पहचाने की आवश्यकता है। भारत गरीब देश था, यह हमें अग्रेजों के द्वारा बताया गया बल्कि हमारा देश कृषि प्रधान देश के साथ-साथ यह देश कृषि उद्योग प्रधान देश रहा है। हमारे देश में लघु-उद्योग स्थापित रहे है। हमारे देश के गांव में रहने वाले लोग भी स्वावलंबी और आत्मनिर्भर थे। हमारे देश के अंदर अनेक आक्रमण हुए और आक्रमणकारियों ने हमारे उद्योगों को नष्ट करने का काम किया। आज भारत में शिक्षित युवा ही सबसे ज्यादा बेरोजगार है इसका मुख्य कारण यह है कि अग्रेंजो के द्वारा हमारी शिक्षा पद्धति को बदल दिया गया और अपनी शिक्षा हमारे देश के ऊपर थोप दी गई। जो हमारी शिक्षा व्यवस्था रही है वह लोंगो को रोजगार से जोड़ती थी या कहा जाए भारतीय शिक्षा पद्धति मूलतः व्यवसाय से जोड़ती थी। शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से बेरोजगारी से मुक्ति पाई जा सकती है।

उद्यमिता पखवाड़ा अभियान का शुभारंभ करते हुए स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांतीय टोली सदस्य एवं मुख्य वक्ता कपिल मलैया

व्यापार अपने आप में उद्यम होता है। व्यापार में किसी तरह का बंधन नही होता है। मैं आपसे अपना उदाहरण सांझा करता हूं। मेरे मारुति शोरूम में पन्द्रह, सोलह कर्मचारियों की आवश्यकता थी, इंटरव्यू में 150 से अधिक अच्छे पढ़े-लिखे युवा 7000 की नौकरी करने के लिए तैयार थे। इसका कारण इतना ही था कि उन्हें अगर शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ा गया होता तो वह पहले ही अपने लिए कुछ उद्यम स्थापित कर लेते। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के महाकौशल प्रांत के प्रांत सह मंत्री सावन सिंह ने बताया कि स्वावलंबी भारत अभियान एवं अभाविप के माध्यम से यह उद्यमिता पखवाड़ा पूरे सागर जिले के प्रत्येक कॉलेज, स्कूल केम्पस में चलाने वाले है जिससे पढ़ने वाला विद्यार्थी आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बन सकें। स्वावलंबी भारत अभियान के पूर्णकालिक कार्यकर्ता रविंद्र सिंह ठाकुर, महाविद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

'स्कूल चले हम अभियान' आगामी सत्र की एक दिवसीय परिचर्चा विचार कार्यलय में सम्पन्न

विचार समिति द्वारा संचालित "लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप अभियान" एवं "स्कूल चले हम अभियान" की आगामी सत्र की पाठ्यचर्चा के लिए एकदिवसीय परिचर्चा का आयोजन विचार कार्यालय में किया गया। जिसमे परियोजना सहयोगी वॉलेंटियर काजल जैन एवं अभिषेक ने सत्र में उपस्थित सभी शिक्षकों से लचीली पाठ्यक्रम नीतियों का समर्थन देने की बात कही ताकि उपेक्षित समूहों से बच्चों की शिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। उपयुक्त पाठ्यक्रम सामग्री और शिक्षण प्रक्रिया से शिक्षक शिक्षा असमानताओं को कम कर सकते हैं ताकि कम अंक पाने वाले छात्र कदम मिलाकर साथ चल सकें। वॉलेंटियर शिक्षक ज्योति जैन ने बच्चों के कक्षा में प्रवेश करते समय हैंडशेक, फर्स्ट बूम, हाई-फाई, हाय, हग आदि की क्रिया विधि को समझाया। यह विधियां बच्चों को कक्षा में समायोजित करने में मदद करती है, साथ ही कक्षा शुरू करने से पूर्व बच्चों की जीवनचर्या को जानना उन्हें कक्षा को रूचि पूर्ण और सीखने में मदद करता है। इमोजी के माधयम से बच्चों के मनोभावों या उन भावनाओं को दर्शाता है जो बच्चों को खुशी, उलझन, अनिश्चितता या मायूसी को व्यक्त करने के लिए भी इस्तेमाल कर समझ सकते है। वॉलेंटियर काजल जैन ने बच्चों को पढ़ाये जाने वाले तरीकों में भिन्न को समझाया उन्होंने कहा भिन्न एक ऐसी संख्या है जो किसी सम्पूर्ण चीज़ का कोई भाग निरुपित करती है। जैसे: किसी वस्तु के चार भाग किये जाते है जिनमें से उनके एक हिस्से को निकाल दिया गया है तो उसे ¼ के रूप में प्रदर्शित किया जाता हैं. जबकि शेष बचे भाग को ¾ के रूप में इंगित किया जाता हैं। इसके पश्चात् वॉलेंटियर शिक्षक कविता यादव ने जोड़ विधि को समझाया। वॉलेंटियर शिक्षक राखी ने संज्ञा समझने पर जोर दिया उन्होंने कहा संज्ञा के माध्यम से हम व्यक्ति, स्थान, वस्तु और अभिव्यक्ति को वर्णन कर सकते हैं।

शिक्षक कविता यादव सहयोगी शिक्षकों को पढ़ाने की विधियां बताते हुए।

यह संज्ञाओं को पहचानने और समझने में मदद करता है और हमें उनके बारे में अधिक जानकारी प्रदान करता है। वॉलेंटियर शिक्षक रितु ने क्रिया के शाब्दिक बोध में, जिस शब्द के द्वारा किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है उसे क्रिया कहा जाता है। एवं उसके भेदों अकर्मक क्रिया, सकर्मक क्रिया, सामान्य क्रिया, संयुक्त क्रिया, प्रेरणार्थक क्रिया, पूर्वकालिक क्रिया, नाम धातु क्रिया, कृदन्त क्रिया आदि। वॉलेंटियर शिक्षक सिवनी पटेल ने विशेषण के साथ महीनो के नाम को पढ़ाना समझाया। वॉलेंटियर शिक्षक प्रियंका साहू ने घटाना की पूरी प्रक्रिया को समझाया, उन्होंने कहा पढ़ाने के साथ पूरी सामग्री रोचकता के साथ प्रस्तुत करना, बच्चों को काफी रोचक ढंग से सीखने में मदद करता है। कार्यशाला के उपरांत शिक्षकों ने अपने सुझाव साझा किये। अनेक कक्षाओं से प्रगति से संबंधित डेटा एकत्र करना, पढ़ाने और सीखने का स्वयं प्रेक्षण करना, छात्रों के साथ उनके अनुभवों के बारे में बातचीत करना। तथापि, इन मामलों में इस बात की बहुत सावधानी बरतनी चाहिए कि आपके प्रश्न और छात्रों के उत्तरों के लिए अनुक्रियाएं शिक्षक की योग्यता के बारे में कोई शंका न उत्पन्न करे।

मीडिया कवरेज

स्वतंत्रता दिवस • शहर में समाजसेवी, शिक्षण संस्थाओं ने 77वें स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित किए विविध कार्यक्रम

115 स्थानों पर एक साथ ध्वजारोहण, इतने ही स्थानों पर रोपे गए कल्पवृक्ष, 21000 लोग हुए शामिल

भास्कर संवाददाता | सागर

77वें स्वतंत्रता दिवस पर शहर में समाजसेवी और शिक्षण संस्थाओं ने विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया। विचार समिति ने 115 स्थानों पर एक साथ ध्वजारोहण कर रिकॉर्ड बनाया। साथ ही इतने ही स्थानों पर ध्वजारोहण स्थल, समीपस्थ मंदिर या बगीचे में दुर्लभ प्रजाति के कल्पवृक्ष का रोपण किया। प्रत्येक ध्वजारोहण में 200 लोगों ने सहभागिता कर आजादी दिलाने वाले वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान, वन्देमातरम, देशभक्ति गीत एवं आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया। सभी 115 स्थानों पर मेधावी छात्र-छात्राओं, वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं भूतपूर्व सैनिक परिवारों का सम्मान किया गया।

विचार संस्था : सामूहिक ध्वजारोहण कार्यक्रम में सामूहिक संकल्प लेते लोग।

समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने जूम टेक्नालॉजी के जरिए सभी 115 स्थानों पर समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे पास जो कुछ भी है, वह हमारी मातृभूमि का दिया हुआ है। परंतु हम डिजिटल दुनिया में इतने अधिक असंवेदनशील हो गए हैं कि एक साथ दुखद और सुखद घटना को सुन लेते हैं फिर भी हम पर कोई फर्क नहीं पड़ता। रोड पर कहीं एक्सीडेंट हो जाता है तो हम मदद करने की जगह वहां से भागना चाहते हैं। आज जब समाज सेवा का नाम आता है तो हमें नाम खोजने से नहीं मिलते। देश हमें सब कुछ देता है। हम भी तो कुछ देना सीखें। आइए ध्वजारोहण उत्सव के अवसर पर हम अपने मानव कर्तव्यों और राष्ट्र के प्रति सदैव समर्पित रहने का भाव जगाएं। हमारे अस्तित्व की सार्थकता एक महान भारत के निर्माण में ही है। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि हमने शहर के अंदर छोटे से छोटे व्यक्ति को जोड़कर पर्यावरण, स्वास्थ्य, सामाजिक परिवर्तन, शिक्षा, स्वरोजगार, संस्कृति संवर्धन के कार्य किए हैं। उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने भी संबोधित किया। मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने हमने सैकड़ों साल गुलामी में बिताए। लेकिन किसी अन्य राष्ट्र के साथ ऐसा कभी नहीं किया। हमने किसी को जीतकर गुलाम नहीं बनाया। क्योंकि हम दूसरों की स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं। हमें हर हाल में इस स्वतंत्रता की रक्षा करनी चाहिए।

21 हजार लोगों ने लिया सामूहिक संकल्प

विचार संस्था के कार्यक्रम में 21 हजार लोगों ने एक साथ सामूहिक संकल्प लिया कि कभी भी रास्ते पर एंबुलेंस को जाता देखकर तुरंत उसके लिए रास्ता देंगे। रास्ता बनाने के लिए सक्रिय रूप से आगे आकर सहयोग करेंगे। हम अपने घर में और आसपास जहां तक हो सकेगा स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करेंगे। कटरा बाजार बताशा वाली गली के सामने स्थित स्वदेशी वस्तु भंडार पर पहली फुर्सत में भ्रमण कर जानकारी लेंगे। जब भी रक्तदान का मौका मिलेगा जरूर करेंगे। लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करेंगे। घर के सामने साफ-सफाई रखेंगे। आजू-बाजू के दो-दो घरों के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

देश हमें देता है सब कुछ, हम भी कुछ देना सीखें
अनेक दुर्लभ प्रजाति का कल्पवृक्षारोपण किया

सागर,आचरण संवाददाता।

विचार समिति ने स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर 115 स्थानों पर एक साथ ध्वजारोहण किया। प्रत्येक स्थान पर लगभग 200 व्यक्ति ध्वजारोहण में शामिल होकर आजादी दिलाने वाले वीर सपूतों को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए देश भावना से जुड़कर हर्षोल्लास के साथ त्योहार की तरह स्वतंत्रता दिवस को मनाया। इस प्रकार ध्वजारोहण में 21 हजार से अधिक नागरिक प्रत्यक्ष रूप से कार्यक्रम में उपस्थित थे। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान, वन्देमातरम, देश भक्ति गीत एवं आतिशबाजी हुई। इसके पश्चात विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने जूम टेक्नालाजी के माध्यम से सभी 115 स्थानों पर उद्बोधन दिया। सभी 115 स्थानों पर मेधावी छात्र-छात्राओं, वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ताओं, एवं भूतपूर्व सैनिक परिवारों का सम्मान किया गया साथ ही ध्वजारोहण स्थल या समीप के स्थल जैसे मंदिर या बगीचा प्रांगण में कल्पवृक्ष का रोपण भी किया गया। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे पास जो कुछ भी है वह हमारी मातृभूमि का दिया हुआ है परंतु हम डिजिटल दुनिया में इतने अधिक असंवेदनशील हो गए है कि एक साथ दुखद और सुखद घटनाओं को सुन लेते है और हम पर कोई फर्क नहीं पड़ता है, रोड पर कहीं एक्सीडेंट हो जाता है तो हम मदद करने की जगह वहां से भागना चाहते है, आज, जब समाज सेवा का नाम आता है तो हमें नाम खोजने से नहीं मिलते, हमने अपने जीवन को इतना मशीनी बना लिया है हम सिर्फ यही देखते है कि हमारा तत्काल फायदा किसमें है।

देश हमें देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखें। आईये ध्वजारोहण उत्सव के अवसर पर हम अपने मानव कर्तव्यों के प्रति, राष्ट्र के प्रति, सदैव समर्पित रहने का भाव जगायें। हमारे अस्तित्व की सार्थकता एक महान भारत के निर्माण में ही है।

विचार समिति ने चाय पर चर्चा कार्यक्रम के दौरान सैंट्रिक राइडर्स का सम्मान किया

सागर (पदचाप)/ विचार समिति ने चाय पर चर्चा कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रथम कार्यक्रम में सैंट्रिक राइडर्स सागर को आमंत्रित किया। चर्चा के दौरान सभी राइडर्स का गोमय माला, सर्टिफिकेट, एवं गोमय शील्ड से सम्मान किया गया। विचार समिति की तरफ से अध्यक्ष कपिल मलैया ने संस्था का परिचय दिया एवं सैंट्रिक राइडर्स की तरफ से संस्थापक अभय तिवारी ने परिचय दिया। दोनों संस्थाओं ने सागर के विकास के हितों के लिए मिलकर तालमेल के साथ सामाजिक कार्य करने पर चिंतन किया। कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, विजय डेहरिया, मार्गदर्शक हरगोविंद विश्व, विनय मलैया, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया, मार्गदर्शक श्रेयांश जैन, रविन्द्र ठाकुर, मानिक सुनरया, अंकित जायसवाल, इंद्र कुमार पटेल, विशाल अग्रवाल, निशित कुमार, प्रखर चंदेरिया, अभि सोनी, रोहित साहू, रोहित आनंद, डॉ. त्रिदिब गोस्वामी, आयुष बिड़ला, श्रेष्ठ रजक, नीरज जैन, अमित जैन, ऋषि सैनी, उदय राज मौर्य, अभिषेक सोनी आदि उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर सागर 30-08-2023

विचार समिति ने चाय पर चर्चा कार्यक्रम के दौरान सैंट्रिक राइडर्स का सम्मान किया

सागर| विचार समिति ने मंगलवार को चाय पर चर्चा कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रथम कार्यक्रम में सैंट्रिक राइडर्स सागर को आमंत्रित किया। चर्चा के दौरान सभी राइडर्स का गोमय माला, सर्टिफिकेट, एवं गोमय शील्ड से सम्मान किया गया।

विचार समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने संस्था का परिचय दिया एवं सैंट्रिक राइडर्स की तरफ से संस्थापक अभय तिवारी ने परिचय दिया। दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों ने सागर के विकास के लिए मिलकर व तालमेल के साथ सामाजिक कार्य करने पर चर्चा और चिंतन किया। कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, विजय डेहरिया, मार्गदर्शक हरगोविंद विश्व, विनय मलैया, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया, मार्गदर्शक श्रेयांश जैन, रविन्द्र ठाकुर, मानिक सुनरया, अंकित जायसवाल, इंद्र कुमार पटेल, विशाल अग्रवाल, निशित कुमार, प्रखर चंदेरिया, अभि सोनी, रोहित साहू, रोहित आनंद, डॉ. त्रिदिब गोस्वामी, आयुष बिड़ला, श्रेष्ठ रजक, नीरज जैन, अमित जैन, ऋषि सैनी, उदय राज मौर्य, अभिषेक सोनी आदि उपस्थित रहे।

मीडिया कवरेज

देश हमें देता है सब कुछ, हम भी कुछ देना सीखें : कपिल मलैया

विचार समिति ने स्वतंत्रता दिवस पर 115 स्थानों पर एक साथ ध्वजारोहण किया

दैनिक जन चिंगारी

सागर। विचार समिति ने स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर 115 स्थानों पर एक साथ ध्वजारोहण किया। प्रत्येक स्थान पर लगभग 200 व्यक्ति ध्वजारोहण में शामिल होकर आजादी दिलाने वाले वीर सपूतों को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए देश भावना से जुड़कर हर्षोल्लास के साथ त्योहार की तरह स्वतंत्रता दिवस को मनाया। । इस प्रकार ध्वजारोहण में 21 हजार से अधिक नागरिक प्रत्यक्ष रूप से कार्यक्रम में उपस्थित थे। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान, वन्देमातरम, देश भक्ति गीत एवं आतिशबाजी हुई। इसके पश्चात विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने जूम टेक्नालाजी के माध्यम से सभी 115 स्थानों पर उद्बोधन दिया। सभी 115 स्थानों पर मेधावी छात्र-छात्राओं, वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ताओं, एवं भूतपूर्व सैनिक परिवारों का सम्मान किया गया साथ ही

- कभी भी रास्ते पर एम्बुलेंस को जाता देखकर तुरंत उसके लिए रास्ता देंगे एवं रास्ता बनाने के लिए सक्रिय रूप से आगे आकर सहयोग करेंगे।
- हम अपने घर में अपने आसपास जहाँ तक हो सकेगा स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करेंगे। सागर में खुले कटरा बाजार बताशा वाली गली के सामने स्थित स्वदेशी वस्तु भंडार पर पहली फुर्सत में भ्रमण कर जानकारी लेंगे।
- जब भी रक्तदान करने का मौका मिलेगा रक्तदान जरूर करेंगे। लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करेंगे। उन्हें बतायेंगे की रक्तदान से कोई नुकसान नहीं होता है।
- अपने घर के सामने साफ- सफाई रखेंगे। साथ ही आजू- बाजू के दो- दो घरों के लोगों को भी साफ-सफ़ाई के लिए प्रेरित करेंगे।

समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि हम सभी ने मिलकर वर्ष 2003 में विचार समिति का कार्य शुरू किया था । अत्यंत हर्ष की बात है कि आप सभी ने विचार के साथ राष्ट्र निर्माण के कार्य संपन्न किये है। हमने सागर के अंदर छोटे से छोटे व्यक्ति को जोड़कर पर्यावरण, स्वास्थ्य, सामाजिक परिवर्तन, शिक्षा, स्वरोजगार, संस्कृति संवर्धन के महत्वपूर्ण कार्य किये है।

समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने समिति के कार्यों का वर्णन करते हुए कहा कि विचार समिति ने विश्व की सबसे लम्बी 17 किलोमीटर लंबी तिरंगा मानव श्रृंखला, 1, 11, 111 सीडबाल लगाना, मगलगिरी में 150 किस्म के 11 हजार से ज्यादा पेड़ बड़े कर जंगल बनाना, 50 हजार से ज्यादा लोगों की प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष मदद करना कुछ उदाहरण है। कोरोना काल में विचार वारियर्स ने जान हथेली पर लेकर हजारों लोंगो की मदद की। छह माह तक मेडिकल कॉलेज कोरोना वार्ड के ठीक बाहर विचार कार्यकर्त्ता सहायता केंद्र संचालित किया ।

ध्वजारोहण करने वाली कुछ प्रमुख समितियों के नाम

आदिनाथ परिवार, सी.आर.एस. राइडर्स टीम, अपराजित मददगार योद्धा समिति, लायंस क्लब डायमंड, वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई, दिगंबर जैन मंदिर बालक हिलव्यू, अभिनव वाटिका समिति, छत्रसाल अखाड़ा, भारतीय शैली कुश्ती संघ, भाग्योदय योगा परिवार, एस.आर. हेरिटेज समिति, समस्त जैन मिलन परिवार, समस्त महिला परिषद, शांति रतम मकरोनिया, अंकुर कालोनी जैन मंदिर, निताई विचार स्कूल ग्राम मनेसिया, एच.एल.टी. सदर, महिला मंडल तुलसीनगर, पाएगा महिला समिति, मलैया मेरिज गार्डन, चंद्रा पार्क सिविल लाइन, घरोंदा आश्रम, आनंद आश्रम, अरिहंत विहार कालोनी, बाहुबली कॉलोनी, तपोवन चनाटोरिया, सैनिक ट्रेनिंग स्कूल नरयावली, मातृछाया अनाथालय, कल्पतरू चिकित्सालय, संस्कार केंद्र मोतीनगर, मधुवन ग्रीन सिटी, धर्म रक्षा संगठन व अन्य ।

साप्ताहिक पदचाप | सागर | 21 अगस्त 2023 5

देश हमें देता है सब कुछ, हम भी कुछ देना सीखें : कपिल मलैया

विचार समिति ने स्वतंत्रता दिवस पर 115 स्थानों पर एक साथ ध्वजारोहण किया, 21 हजार से अधिक लोग शामिल हुए, 115 स्थानों पर दुर्लभ प्रजाति का कल्पवृक्ष रोपण किया गया

सागर (पदचाप)/ विचार समिति ने स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर 115 स्थानों पर एक साथ ध्वजारोहण किया। प्रत्येक स्थान पर लगभग 200 व्यक्ति ध्वजारोहण में शामिल होकर आजादी दिलाने वाले वीर सपूतों को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए देश भावना से जुड़कर हर्षोल्लास के साथ त्योहार की तरह स्वतंत्रता दिवस को मनाया। । इस प्रकार ध्वजारोहण में 21 हजार से अधिक नागरिक प्रत्यक्ष रूप से कार्यक्रम में उपस्थित थे। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान, वन्देमातरम, देश भक्ति गीत एवं आतिशबाजी हुई। इसके पश्चात विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने जूम टेक्नालाजी के माध्यम से सभी 115 स्थानों पर उद्बोधन दिया। सभी 115 स्थानों पर मेधावी छात्र–छात्राओं, वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ताओं, एवं भूतपूर्व सैनिक परिवारों का सम्मान किया गया साथ ही ध्वजारोहण स्थल या समीप के स्थल जैसे मंदिर या बगीचा प्रांगण में कल्पवृक्ष का रोपण भी किया गया।

समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे पास जो कुछ भी है वह हमारी मातृभूमि का दिया हुआ है परंतु हम डिजिटल दुनिया में इतने अधिक असंवेदनशील हो गए है कि एक साथ दुःखद और सरूखद घटनाओं को सुन लेते है और हम पर कोई फर्क नहीं पड़ता है. रोड़ पर कहीं एक्सीडेंट हो जाता है तो हमें मदद करने की जगह वहां से भागना चाहते है, आज, जब समाज सेवा का नाम आता है तो हमें नाम खोजने से नहीं मिलते, हमने अपने जीवन को इतना मशीनी बना लिया है हम सिर्फ यही देखते है कि हमारा तत्काल फायदा किसमें है। देश हमे देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखें। आईये ध्वजारोहण उत्सव के अवसर पर हम अपने मानव कर्तव्यों के प्रति, राष्ट्र के प्रति, सदैव समर्पित रहने का भाव जगायें। हमारे अस्तित्व की सार्थकता एक महान भारत के निर्माण में ही हैं।

21 हजार लोगों ने लिया सामूहिक संकल्प

– कभी भी रास्ते पर एम्बुलेंस को जाता देखकर तुरंत उसके लिए रास्ता देंगे एवं रास्ता बनाने के लिए सक्रिय रूप से आगे आकर सहयोग करेंगे।

– हम अपने घर में अपने आसपास जहाँ तक हो सकेगा स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करेंगे। सागर में खुले कटरा बाजार बताशा वाली गली के सामने स्थित स्वदेशी वस्तु भंडार पर पहली फुर्शत में भ्रमण कर जानकारी लेंगे।

– जब भी रक्तदान करने का मौका मिलेगा रक्तदान जरूर करेंगे। लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करेंगे। उन्हें बतायेंगे की रक्तदान से कोई नुकसान नहीं होता है।

0ण– अपने घर के सामने सगए0.फ– सफाई रखेंगे। साथ ही आजू–बाजू के दो– दो घरों के लोगों को भी साफ– सफाई के लिए प्रेरित करेंगे।

समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि हम सभी ने मिलकर वर्ष 2003 में विचार समिति का कार्य शुरू किया था । अत्यंत हर्ष की बात है कि आप सभी ने विचार के साथ राष्ट्र निर्माण के कार्य संपन्न

विचार समिति ने सेंट्रिक राइडर्स का किया सम्मान

स्वतंत्र समय, सागर। विचार समिति ने चाय पर चर्चा कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रथम कार्यक्रम में सेंट्रिक राइडर्स सागर को आमंत्रित किया। चर्चा के दौरान सभी राइडर्स का गोमय माला, सर्टिफिकेट एवं गोमय शील्ड से सम्मान किया गया। विचार समिति की तरफ से अध्यक्ष कपिल मलैया ने संस्था का परिचय दिया एवं सेंट्रिक राइडर्स की तरफ से संस्थापक अभय तिवारी ने परिचय दिया। दोनों संस्थाओं ने सागर के विकास के हितों के लिए मिलकर तालमेल के साथ सामाजिक कार्य करने पर चिंतन किया। कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, विजय डेहरिया, मार्गदर्शक हरगोविंद विश्व, विनय मलैया, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया, मार्गदर्शक श्रेयांश जैन, रविन्द्र ठाकुर, मानिक सुनरया, अंकित जायसवाल, इंद्र कुमार पटेल, विशाल अग्रवाल, निशित कुमार, प्रखर चंदेरिया, अभि सोनी, रोहित साहू, रोहित आनंद, डॉ त्रिदिब गोस्वामी, आयुष बिडला, श्रेष्ठ रजक, नीरज जैन, अमित जैन आदि मौजूद रहे।

विचार समिति ने चाय पर चर्चा कार्यक्रम के दौरान सेंट्रिक राइडर्स का सम्मान किया

दैनीक जन चिंगारी/गजेंद्र ठाकुर

सागर । विचार समिति ने चाय पर चर्चा कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रथम कार्यक्रम में सेंट्रिक राइडर्स सागर को आमंत्रित किया। चर्चा के दौरान सभी राइडर्स का गोमय माला, सर्टिफिकेट, एवं गोमय शील्ड से सम्मान किया गया। विचार समिति की तरफ़ से अध्यक्ष कपिल मलैया ने संस्था का परिचय दिया एवं सेंट्रिक राइडर्स की तरफ़ से संस्थापक अभय तिवारी ने परिचय दिया। दोनों संस्थाओं ने सागर के विकास के हितों के लिए मिलकर तालमेल के साथ सामाजिक कार्य करने पर चिंतन किया। कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, विजय डेहरिया, मार्गदर्शक हरगोविंद विश्व, विनय मलैया, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया, मार्गदर्शक श्रेयांश जैन, रविन्द्र ठाकुर, मानिक सुनरया, अंकित जायसवाल, इंद्र कुमार पटेल, विशाल अग्रवाल, निशित कुमार, प्रखर चंदेरिया, अभि सोनी, रोहित साहु, रोहित आनन्द, डॉ. त्रिदिब गोस्वामी, आयुष बिड़ला, श्रेष्ठ रजक, नीरज जैन, अमित जैन, ऋषि सैनी, उदय राज मौर्य, अभिषेक सोनी आदि उपस्थित रहे।

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

BHU
Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation. one platform

Lyvefresh®

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
GROUP OF COLLEGES
Greater Noida • Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar [M.P.]

THE ART OF LIVING®

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship Preparation-Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
ROHTAK

भारत विकास परिषद
Bharat Vikas Parishad
Sagar [M.P.]

ISRN

Edu-Vitae
Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is us!
i2u Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation
Hygiene | Empowerment | Respect

‖ विचार समिति ‖
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

| VICHAR SAMITI | powered by: danamojo

cfpay.dmvicharsamiti@icici

UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर